

13/6/23

पञ्जाबी प्रशासन गांवों के

संग कृषियोग-2023 के मध्य
जांबूडी में रखने से परेश हुई।
पार्क के कार से उनके

Nat. Ad. 2002
13/6/2023
Comp. Jambudi

दि. 3 पर परीकार उपर
प्राथमिक नें उच्च प्राथमिक

18/2/02

फा प्रस्तुत कर कथन किया
कि माँजा सिधावा ५६ खसरा

Noted

नंबर 173/2730 खसरा 02
(दो) बीघा 18 बिस्वा हाथि भूमि

Subscribed

श्री अशोक कुमार से दिनांक

22 जून 2002 को अरिपे पंजीकृत
विक्रय विलेख के रूप कर कब्जा

हास किया। उच्च हाथि भूमि
में से प्राथमिक नें 2988.00

वर्ग गज अर्थात् एक बीघा
भूमि वाणिज्यिक (पेट्रोल पम्प)

उपरोक्त श्रीमान जिला कलेक्टर
महो. सिरोही से अरिपे आदेश

क्रमांक: प.12(3)(10) 2ज/2004/

1533-40 दिनांक 5.6.2004 से

—अज्ञात

उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड कार्यालय आंबूडी

संपरिवर्तन कराला था जिस आदेश के साथ
संलग्न नक्शों में उक्त खसरा संख्या 173/2730
की भूमि में से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ रूपांतरित
भूमि को लाल रंग से लाईनों से बंदिस्त
करके 9 शर्तों हुआ है। उक्त रूपांतरित
भूमि का वर्तमान जमाबंदी किन्तु खसरा
नंबर 2843/173 है किन्तु राजस्व कर्मचारियों
द्वारा कानून लाईन नक्शों से सेग्रिगेशन करने
के कार्य के दौरान कश्चुई हुई और इसके
कारण इस खसरा संख्या 2843/173 का
वर्तमान राजस्व नक्शों में उपरोक्त भूमि
रूपांतरण आदेश के साथ संलग्न नक्शों
किन्तु मही 9 शर्तों हुआ है किंतु नक्शों
में हुई त्रुटि संकेची इस गालती/कश्चुई
के सुधार हेतु निवेदन किया है।

उक्त रूपांतरण की कार्यवाही के
बाद प्राथमिक अंजली व सुरेश कुमार
खसरा संख्या 173/2730 की छवि भूमि
में से 15 विस्वा छवि भूमि प्राथमिक संख्या
02 अला को दिनांक 06-04-2006 को
जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख के विक्रय कर
दी। जिसे विक्रय विलेख के साथ संलग्न
नक्शों में लाल रंग से चिह्नित कर
9 शर्तों हुआ है प्राथमिक संख्या 02 अला

उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड कार्यालय कापुरा

— लगातार

दूरे विक्रय की गई इकाय कृषि भूमि का
 वर्तमान जमाबंदी रिकार्ड अनुसार खसरा
 नंबर 173/2730 है किन्तु सेवगी गैशन
 के कार्य के दौरान हुई खत के कारण खसरा
 खसरा संख्या 173/2730 की वर्तमान
 राजस्व नकशे में उपरोक्त भागि इ
 विक्रय विलेख दिनांक 06.04-2006 के
 साथ संलग्न नकशे अनुसार नहीं दर्शाया
 हुआ है। नकशे में हुई तस्वीर
 संबंधी इस कथुई के सुधार हेतु यथा
 सिद्ध है।

इसी प्रकार इकाय खसरा संख्या की
 कालवादी के प्राथमिकता में से लता व
 सुरेश कुमार ने खसरा संख्या 173/27
 की कृषि भागि में से 01 बीघा 03 किलो
 कृषि भागि प्राथमिकता संख्या एक कंपनी
 की दिनांक 06-04-2006 को जमीने
 पंजीकृत विक्रय विलेख के विक्रय कर
 दी जिसे विक्रय विलेख के साथ संलग्न
 नकशे में लता वंग से चिह्नित कर
 दर्शाया हुआ है। प्राथमिकता संख्या एक
 लता का विक्रय की गई इकाय कृषि
 भूमि का वर्तमान जमाबंदी रिकार्ड अनुसार
 खसरा नंबर 2844/173 है किन्तु जमाबंदी

उपखण्ड अधिकांश
 उपखण्ड कार्यालय आबूरोड

13/11/12

नक्शे से सीमागोशान के कार्य दौरान हुई
धुब के कारण इस खसरा संख्या
2844/173 को भी वर्तमान राजस्व
नक्शे के सही सीमाको से नहीं
दर्शाया हुआ है। अतः नक्शे में हुई
तस्मीन संख्या अग्रुह के सुधार
हो कथन किया है।

इस प्रकार को दर्ज कर दिया
तहसीलदार को नोटिस जारी किया।
तहसीलदार डाकरोड नं. जस्टिस पंजाब
राजस्व / 2023/31 दिनांक 13.06.23
से जवाब प्रस्तुत कर कथन किया कि
राजस्व नक्शे में ऑन लाइन से सीमागोशान
के समग्र गुरि हुई है। अतः संलग्न
प्रस्तावित नक्शे अनुसार खसरा संख्या
650, 2843/173, 173/2730 व 2844/173
की गुरि संलग्न नजरी नक्शे अनुसार किया
जाना उचित होने का कथन किया है।

दौराने जहास वकील याधीशों ने निवेदन
किया की खसरा संख्या 173/2730 के वर्तमान
में तीन भाग बने हैं जिसमें से एक भाग खसरा संख्या
पश्चात् तथा दो भाग पंजीकृत विक्रय किलेख के
द्वारा पर परन्तु उपरोक्त खसरा नम्बरान को
नक्शे में खसरा संख्या कादेश व विक्रय किलेख
के साथ नजरी नक्शे अनुसार सही नहीं दर्शाया
गया है यह गुरि दौरान से सीमागोशान के राजस्व
कर्मचारियों की शकल से हुई है अतः सुधार किया

उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड कार्यालय आबूराड

— अजायब

उपरोक्त तहसील दादर व फेंडोपार २५/१२
 में भी निवेदन मिला कि शायीगण के नक्शे
 में दोबले सीरीगेशन कूटे कारिगें हुई हैं
 जो सही सिद्ध जाना नपासहि में १/११/३३
 यह भी निवेदन मिला कि उपरोक्त तीन
 खसरो २८५३/१७३, १७३/२७३० व २८५५/१७३
 के साथ-साथ खसरा नंबर ६५०
 जो नगर सुधार नपास के नाम दर्ज हैं
 उसमें भी सीरीगेशन के दौरान तुरि हुई
 हैं उसे भी सुधारा जाने।

मैंने प्रस्तुत धारणा का के वारिंत
 तथ्यों तथा उपलब्ध दस्तावेजों का
 शिवालोचन किया। वकील शायीगण की
 बहस सुनी। तहसील दादर आकरोड ६४४
 प्रस्तुत जवाब मग दस्तावेजों का शिवालोचन
 किया। वकील शायीगण व फेंडोपार
 सरकार की बहस सुनी जिसके यह स्पष्ट
 है कि शायीगण की तुरि खसरा संख्या
 २८५३/१७३, १७३/२७३० व २८५५/१७३
 में नक्शे संबंधी तुरि राजस्व कमियालियों
 द्वारा की गई है तथा उक्त के जाने तीन
 भाग जटिले संपरिवर्तन व पंजीकृत
 विक्रम विलेख से बने हैं उसमें संलग्न
 नक्शे अनुसार वर्तमान में नक्शे में
 नही दशायि गले हैं तथा उपरोक्त के

उपखण्ड अधिकारी - नगरपालिका
 उपखण्ड कार्यालय आबूरोड

क्रमांक - सवि २९२२२ संख्या ६५० जो उक्त
 खसरो के पास स्थित है उसके भी सुधार
 किया जाना उचित है। उक्त ही नगर सुधार
 न्याय के अधिकारों पर जिससे कोई प्राधिकृत
 प्रभाव नहीं पड़ता है और अधीनता की नकशों
 संकेची तुरंत भी सही हो जाएगी।

और उपरोक्त विवेक के आधार पर
 राज दिनांक १३/६/२०२३ को राजस्थान राजस्व
 अधिनियम १९५६ की धारा १३६ के अन्तर्गत शक्तियों
 का प्रयोग करते हुए प्रशासन गणों के संग
 कर्म-आम्बुडी में यह निर्दिष्ट करवा है कि
 संलग्न नकशों के द्वारा खसरा संख्या ६५०,
 २४५३/१७३, १७३/२२३० व २४५५/१७३ के
 नकशों संकेची तुरंत को सुधारा जाकर
 राजस्व रिकार्डों में सुरक्षित किया जावे। उपरोक्त
 खसरो के भोगफल में किसी भी प्रकार का
 बदलाव नहीं किया जावे। तहसीलदार काबूरोड
 को उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड सुरक्षित
 करने के निर्देश दिए जाते हैं।
 पंजाबजी केवल सुधार हीकर
 नगर संकट लगे।

उपखण्ड अधिकारी
 उपखण्ड कार्यालय आबूरोड